SSSUTMS eKnowledge

★ Vol. 01 ★ Issue 01 ★ 1 to 15, June 2023

Madhya Pradesh first eknowledge book of skill, education & employability

SSSUTMS eKnowledge

Guided By :
डॉ. मुकेश तिवारी,
प्रोफेसर, वीसी
श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज सीहोर, (मप्र)

Prepared By :
डॉ. अजय कुमार चौबे,
एसोसिएट प्रोफेसर

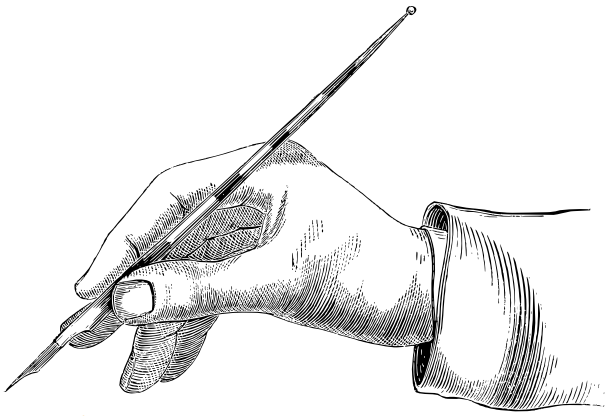

स्टार्टअप, पेज 02

रिसर्च, पेज 04

करियर , पेज 05

आने वाला कल, करंट अफेयर्स : पेज 08

Visit - www.sssutms.co.in

स्टूडेंट्स, फैकल्टी या यूनिवर्सिटी से जुड़े सभी, अपनी रचना, शोध, करियर, स्टार्टअप या एजुकेशन से जुड़े लेख को शेयर करने के लिए, नीचे दिए ईमेल पर संपर्क करे -

a1ja1y@yahoo.co.in

_शोध

शोधकर्ताओं ने बड़ी खोज करते हुए सुक्ष्म जीवों की पहचान की है, यह सुक्ष्म जीव कृषि या कागज के कचरे को रसायन में बदल सकते है. इससे बायोएथेनॉल और अन्य रसायन बनाने में मदद मिलेगी और कचरा निपटान में भी मदद मिलेगी.

"कामयाबी के लिए अकेले ही आगे बढ़ना पढता है !!

So, start to move forward....today

स्टार्टअप के लिए फंडिंग

स्टार्टअप फंडिंग क्या होती है?

वह धन जोकि किसी स्टार्टअप को शुरू करने और विकसित करने के लिए, उस व्यवसाय के लीडर को मिलता है, उसे "स्टार्टअप फंडिंग" कहते हैं.

स्टार्टअप फंडिंग कई तरीकों से प्राप्त की जा सकती है, स्टार्टअप फंडिंग के चार मुख्य प्रकार होते हैं.--

1. बूटस्ट्रैपिंग,
2. क्राउडफंडिंग,
3. एंजल इन्वेस्टर,
4. वेंचर कैपिटल

स्टार्टअप फंडिंग लेने के गवर्नमेंट प्रोग्राम -

स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंट काउंसिल, अटल इनोवेशन मिशन

स्टार्टअप फंडिंग के लिए जरूरी बातें

- सबसे पहले एक स्ट्रांग बिजनेस प्लान बनाएं.
- स्टार्टअप टीम के लिए स्किल एक्सपीरियंस और ड्राइव का सही संयोजन करें.
- आपके स्टार्टअप को जानने वाले लोगों (फाउंडर / टीचर) से मिले.
- एक मजबूत पिच तैयार करें.
- इसके बाद अलग प्रकार या योजनाओं में अपने स्टार्टअप को प्रेजेंट करें.

एडवांस रिसर्च- इलेक्ट्रिक व्हीकल

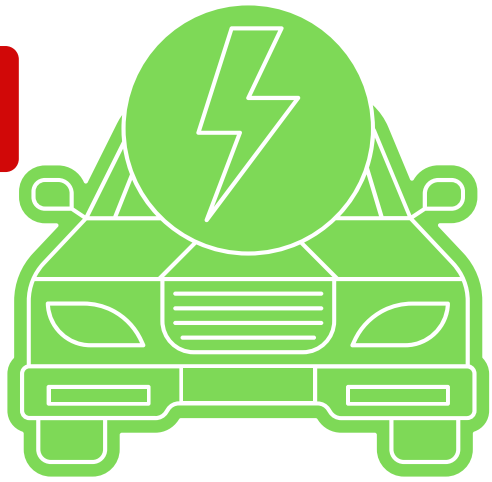

अधिकतर इलेक्ट्रिक व्हीकल में लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल होता है. लेकिन लिथियम आयन बहुत ही दुर्लभ मिनरल है. इसीलिए लिथियम आयन बैटरी महंगी होती है. और वैज्ञानिक शोध करके इसके लिए नया विकल्प ढूंढ रहे हैं कई वर्षों से. वही बीएनइएफ की रिपोर्ट के अनुसार, सोडियम भविष्य में लिथियम का सस्ता विकल्प बन सकता है. और चीन के मार्केट के अनुसार, 2035 तक लिथियम की डिमांड 37% तक कम हो सकती है, सोडियम की वजह से.

कृषि क्षेत्र के बढ़ते दायरे: सॉइल एंड प्लांट साइंटिस्ट

करिअर

करियर के लिए मिट्टी भी काम आ सकती है. ऐसा इसीलिए क्योंकि मिट्टी का संरक्षण करना, कटाव रोकना और मिट्टी को प्रदूषण से बचाना, एक बड़ा कैरियर हैं. और यह काम एक सॉइल साइंटिस्ट का होता है. विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा कृषि के इस क्षेत्र पर लगातार जोर दिया जा रहा है. जिससे कृषि के क्षेत्र में करियर बनाना महत्वपूर्ण कदम हो सकता है.

जरूरी शैक्षणिक योग्यता:

इन पोस्ट पर अप्लाई करने के लिए कृषि विज्ञान में ग्रैजुएट डिग्री जरूरी होती है, और शोध के लिए पोस्ट ग्रेजुएट या पीएचडी डिग्री जरूरी होते हैं. इसके साथ ही किसानों, शोधकर्ताओं, और तकनीकों का मेल भी जरूरी है.

कार्य--

- खाद आपूर्ति बनाए रखना,
- फसलों की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ाने के तरीके विकसित करना,
- कीटो को नियंत्रित करना,
- कृषि क्षेत्र का डेटाबेस तैयार करना, एग्रो-टेक इकोसिस्टम विकसित करना, आदि

भारत में AI का उदय: एक बढ़ता हुआ कल्पनिक सशक्तिकरण

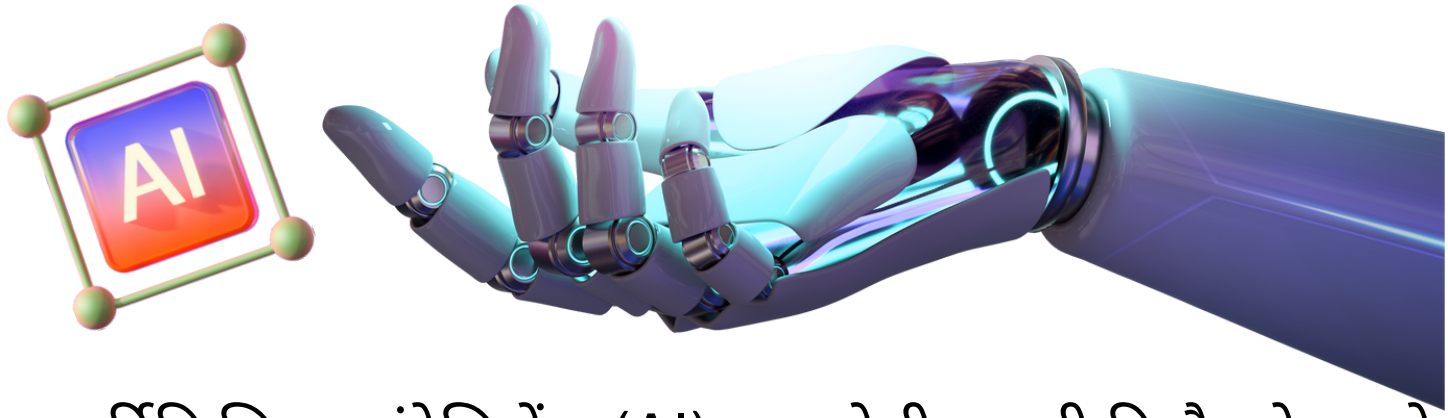

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एक ऐसी तकनीकी है जो हमारे जीवन में प्रतिष्ठित हो गई है, और हमारे रोजमर्रा के काम को आसान और प्रभावी बनाने का वादा करती है। AI के आने से समय के साथ-साथ देश भर में बहुत सारे शक्तिशाली बदलाव हुए हैं, और भारतवर्ष भी इस समय AI के उद्गम के दौर में प्रमुख देशों में से एक है।

AI के माध्यम से हमारे समाज में बहुत सारे विकास के कार्यक्रम संपन्न हुए हैं। AI ने विद्यार्थियों की शिक्षा को सुधारा है, और उन्हें बेहतर सिखाने के तरीके प्रदान किए हैं। AI के द्वारा व्यक्तिगत शिक्षा, प्रतिभाओं का मूल्यांकन और कस्टमाइज्ड लर्निंग सॉल्यूशन्स को आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा, AI ने हेल्थकेयर क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। AI के जरिए रोगियों की जांच और उपचार में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें जल्दी और सही ढंग से इलाज मिल सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उदय भारत में केवल विज्ञान और तकनीकी से सीमित नहीं है। यह एक आंदोलन है जो एजुकेशन, हेल्थकेयर, कृषि, व्यापार, सरकारी सेवा और कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव दिखा रहा है, और विशेष रूप से डिजिटल भारत के सपनों को साकार करने में सहायता की है।

कृषि क्षेत्र में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने कार्यक्षमता और उन्नत तकनीकों का उपयोग करके किसानों की मदद की है, फसल की उन्नत उत्पादन की संभावना बढ़ी है, जिससे उन्हें ज्यादा मुनाफा कमाने और अपनी आय को बढ़ाने का मौका मिलता है।

भारतीय समाज को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सशक्तिकरण करके, हमें सुनिश्चित करना होगा कि हम तकनीकी और नैतिक मानदंडों को संतुलित रूप से साथ ले जाते हैं और इसे सामरिक, समर्पित और संघटित तरीके से उपयोग करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उदय हमारे देश के विकास की गति को तेजी से बढ़ा रहा है और यह एक सशक्त, आधुनिक और समर्पित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सामान्य ज्ञान

10 जून, 1986 को भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की थी।
मैदान - लॉर्ड्स; कप्तान - कपिल देव

11 जून, 1935 को पहली बार "एडविन हॉवर्ड आर्मस्ट्रांग" ने एफएम का प्रसारण किया।

आने वाला कल करंट अफेयर्स

इंटरनैशल योग दिवस - *2023*

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की अवधारणा पहली बार भारत के द्वारा 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में रखी गयी थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 दिसंबर, 2014 को घोषणा की, कि 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा. इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 की थीम मानवता पर आधारित है.

SRI SATYA SAI UNIVERSITY
OF TECHNOLOGY AND MEDICAL SCIENCES

जरुरी - इस पुस्तिका में सभी लेख और तथ्य, कई सामग्रियों के अध्ययन के बाद लिए गए है, साथ ही ये लेखक की अपनी सोच है, पाठक इस पर अपनी राय अपने विवेक से लें . - धन्यवाद